भारत का संविधान सिध्दांत और व्यवहार Notes Chapter 5 Class 11 Bharat Ka Samvidhan Sidhant Aur Vavhar विधायिका UP Board

विधायिकाः–

- संघ की विधायिका को संसद कहा जाता है, यह राष्ट्रपति और दो सदन, जो राज्य परिषद (राज्य सभा) और जनता का सदन (लोक सभा) कहलाते है, से बनती है। राज्यों की विधायिका को विधानमंडल या विधानसभा कहते हैं।
- लोकतंत्रीय शासन में विधायिका का महत्व बहुत अधिक होता है। भारत में संसदीय शासन प्रणाली अपनायी गयी है जो कि ब्रिटिश प्रणाली पर आधारित हैं।
- सरकार के तीन अंग होते हैः विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका। विधायिका का चुनाव जनता द्वारा होता है। इसलिए यह जनता का प्रतिनिधी बनकर कानून का निर्माण करता है। इसकी बहस विरोध, प्रदर्शन, बहिर्गमन, सर्वसम्मति, सरोकार और सहयोग आदि अत्यंत जीवन्त बनाए रखती है।
- संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार भारतीय संसद में दो सदनों के साथ–साथ राष्ट्रपति को भी सम्मिलित किया जाता हैं
- द्वि–सदनात्मक राष्ट्रीय विधायिका का पहला लाभ समाज के सभी वर्गो और देश के सभी क्षेत्रों को समुचित प्रतिनिधित्व दे सकें। दूसरा लाभ संसद के प्रत्येक निर्णय पर दूसरे सदन में पुनर्विचार हो।
- भारतीय संसद का ऊपरी सदन राज्यसभा हैं इसके अधिकतम 250 सदस्य होते है जिनमें 12 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत और 238 राज्यों द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव द्वारा निर्वाचित होते हैं। इनका निर्वाचन 6 वर्ष के लिए किया जाता है। राज्य सभा एक स्थायी सदन है। प्रत्येक 2 वर्ष बाद इसमें एक तिहाई सदस्यों का चुनाव होता है। मनोनीत सदस्य साहित्य, विज्ञान, कला, समाजसेवा, खेल आदि क्षेत्रों से लिये जाते है।
- अमेरिका के द्वितीय सदन (सीनेट) में प्रत्येक राज्य को समान प्रतिनिधित्व दिया गया है भारत में अधिक जनसंख्या वाले राज्य को अधिक व कम जनसंख्या वाले राज्य को कम प्रतिनिधित्व दिया गया है।
- राज्यसभा का सदस्य बनने की योग्यताएं–

  (1) वह भारत का नागरिक हो।

https://www.evidyarthi.in

(2) 30 वर्ष की आयु का हो।

इनका निर्वाचन एकल संक्रमणीय अनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से होता है।

– 1951 के जन–प्रतिनिधि कानून के अनुसार राज्यसभा या लोक सभा के उम्मीदवार का नाम किसी न किसी संसदीय निर्वाचक क्षेत्र में पंजीकृत होना आवश्यक है–

(1) वित्तिय शक्तियां।

(2) वित्त विधेयक पर राज्यसभा 14 दिन तक विचार कर सकता है।

(3) संविधान–संशोधन संबंधी शक्तियां।

(4) प्रशासनिक शक्तियां– मंत्रियों से उनके विभागों के संबंध में प्रश्न राज्यसभा में जो पूछे जा सकते है।

(5) अन्य शक्तियाँः चुनाव, सहभियोग, आपात स्थिति की घोषणा न्यायधीश को उसके पद से हटाया जाना इत्यादि पर दोनों सदनों पर अनुमति जरूरी है।

– लोकसभा भारतीय संसद का निम्न सदन है। इसमे अधिकतम 550 सदस्य हो सकते है। वर्तमान में लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य है और दो सदस्य (एंग्लो इंडियन) को राष्ट्रपति मनोनित कर सकता है। लोकसभा के सदस्यों का चुनाव जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया जाता हैं इसका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित है परंतु उसे समय से पहले भी भंग किया जा सकता है।

– भारत में संसदीय शासन प्रणाली होने के कारण लोकसभा अधिक शक्तिशाली है क्योंकि इसके सदस्यों का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से होता है। इसे कार्यपालिका को हटाने को शक्ति भी प्राप्त है।

संसद के प्रमुख कार्यः–

(1) कानून बनाना।

(2) कार्यपालिका पर नियंत्रण।

(3) वित्तीय कार्यः बजट पारित करना

(4) संविधान संशोधन।

(5) निर्वाचन संबंधी कार्य।

(6) न्यायिक कार्य।

(7) प्रतिनिधित्व।

https://www.evidyarthi.in

(8) बहस का मंच।

(9) विदेश नीति पर नियन्त्रण

(10) विचारशील कार्य

– लोकसभा की विशेष शक्तिः धन विधेयक प्रस्तुत करना उसे संशोधित व अस्वीकार कर सकती है।

– मंत्रिपरिषद केवल लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है।

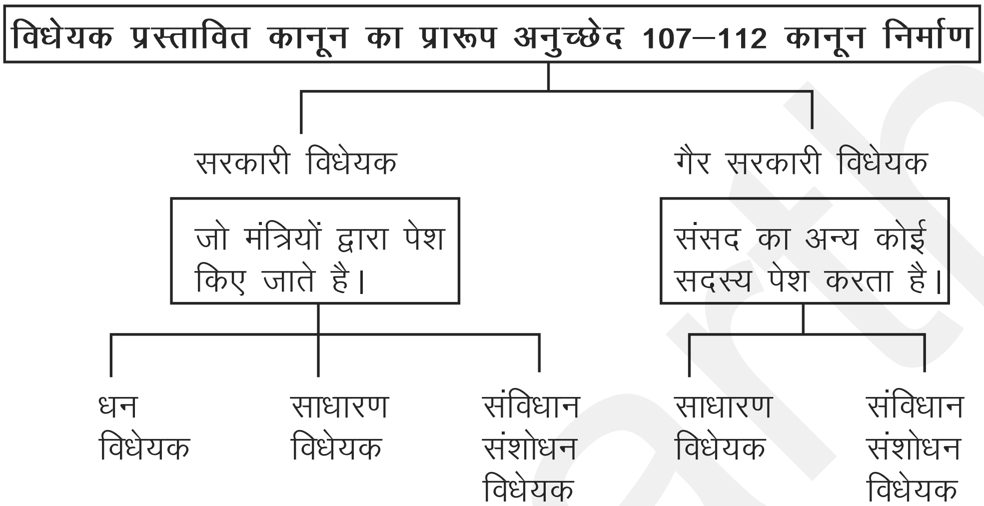

प्रक्रियाः–

(1) प्रथम वाचन।

(2) द्वितीय वाचन (समिति स्तर)

(3) समिति की रिपार्ट पर चर्चा

(4) तृतीय वाचन।

(5) दूसरे सदन में प्रक्रिया।

(6) राष्ट्रपति की स्वीकृति।

संसदीय नियंत्रण के साधनः–

(1) बहस और चर्चा– प्रश्न काल, शून्य काल, स्थगन प्रस्ताव।

(2) कानूनों की स्वीकृति या अस्वीकृति।

(3) वित्तीय नियंत्रण।

(4) अविश्वास प्रस्ताव, निन्दा प्रस्ताव।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

संसदीय समितियां:–

– विभिन्न विधायी व दैनिक कार्यों के लिए समितियों का गठन संसदीय कामकाज का एक जरूरी पहलू है। ये विभिन्न मामलों पर विचार विमर्श करती है और प्रशासनिक कार्यों पर निगरानी रखती है

वित्तीय समितियां:–

(1) **लोक लेखा समिति**– भारत सरकार के विभिन्न विभागों का खर्च नियमानुसार हुआ है या नहीं।

(2) **प्राकलन समिति**– खर्च में किफायत किस तरह की जा सकती है।

(3) **लोक उपक्रम**– सरकारी उद्योगों की रिपोर्ट की जांच करती है कि उद्योग या व्यवसाय कुशलता पूर्वक चलाया जा रहे है या नहीं।

विभागीय स्थायी समितियां:–

(1) नियमन समिति।

(2) विशेषाधिकार समिति।

(3) कार्य–मंत्रणा समिति।

(4) आश्वासन समिति।

तदर्थ समितियां:–

– विशिष्ट विषयों की जांच–पड़ताल करने तथा रिपोर्ट देने के लिए समय–समय पर गठन किया जाता है। बौफोर्स समझौतों से संबंधित संयुक्त समिति। समितियों द्वारा दिये गए सुझावो को संसद शायद ही नामंजूर करती है।

संसद स्वयं को किस प्रकार नियंत्रित करती है–

(1) संसद का सार्थक व अनुशासित होना।

(2) सदन का अध्यक्ष विधायिका की कार्यवाही के मामलों में सर्वोच्च अधिकारी होता है।

(3) दल बदल निरोधक कानून द्वारा 1985 में 52 वां संशोधन किया गया। 91 वें संविधान संशोधन द्वारा संशोधित किया गया।

यदि कोई सदस्य अपने दल के नेतृत्व के आदेश के बावजूद–सदन में उपस्थित न हो या दल के निर्देश के विपरीत सदन में मतदान करें अथवा स्वेच्छा से दल की सदस्यता से त्यागपत्र दें उसे 'दलबदल' कहा जाता है। अध्यक्ष उसे सदन की सदस्यता के अयोग्य ठहरा सकता है।

https://www.evidyarthi.in

(4) भारतीय संघात्मक सरकार में 29 राज्य 7 केंद्र शासित इकाईयों को मिलाकर भारत में संघीय शासन की स्थापना करती है। दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा दिया गया हैं

(5) भारत के प्रत्येक राज्य में विधानमंडल की व्यवस्था एक समान नहीं है। कुछ राज्यों में एक सदनीय तथा कुछ राज्यों में द्वि–सदनीय व्यवस्था है।

(6) राज्यों में कानून निर्माण का कार्य विधानमंडलों को दिया गया है–

 (i) निम्न सदन को विधानसभा।

 (ii) उच्च सदन को विधान परिषद कहा जाता है।

द्विसदनीय राज्यः–

– जम्मू और कश्मीर, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक व आन्ध्र प्रदेश, सात राज्य बाकी सभी राज्य एक सदनीय है।

(1) विधानसभा की शक्तियां–

 (i) विधायी कार्यशक्ति।

 (ii) वित्तीय शक्तियां।

 (iii) कार्यपालिका शक्तियां।

 (iv) चुनाव संबंधी कार्य।

 (v) संविधान संशोधन सबंधी शक्तियां।

(2) विधान परिषद की शक्तियां–

 (i) विधायी शक्तियां।

 (ii) वित्तीय शक्तियां।

 (iii) कार्यपालिका शक्तियां।

दोनों सदन राज्य विधानपालिका के आवश्यक अंग होते हुए भी संविधान ने विधानसभा को बहुत शक्तिशाली व प्रभावशाली स्थित प्रदान की है।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

प्रश्नावली

एक अंकीय प्रश्न–

1. राज्यसभा का कार्यकाल कितना होता है?
2. राज्यसभा की सदस्यता के लिए कितनी आयु निर्धारित को गई है?
3. राज्यसभा का अध्यक्ष कौन होता है?
4. कोई विधेयक वित्त विधेयक है या नहीं, इसक निर्णय करने का अधिकार किसके पास है?
5. भारतीय संसद का कौन–सा सदन अधिक शक्तिशाली है?
6. संसद की किन्हीं दो समितियों के नाम लिखिए।
7. भारत में मंत्रिपरिषद् किस सदन के प्रति उत्तरदायी है?
8. संविधान संशोधन विधेयक किस सदन में पेश हो सकता है?
9. संविधान का 52 वां संशोधन किस विषय से संबंधित है?
10. दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है?
11. राज्यसभा में 12 सदस्यों को कौन मनोनीत करता है?
12. जी. वी. मावलंकर लोकसभा के .... स्पीकर थे?
13. वर्तमान में किस नये राज्य में द्विसदनात्मक विधायिका है?

दो अंकीय प्रश्न–

1. दि–सदनात्मक विधायिका के पक्ष में दो तर्क दीजिए?
2. भारत के किन्हीं चार राज्यों के नाम लिखिए जिनमें द्वि–सदनात्मक विधायिका है?
3. राज्यसभा की संरचना स्पष्ट कीजिए?
4. लोकसभा की दो विशेष शक्तियों का उल्लेख कीजिए?
5. वित्त विधेयक और गैर विधेयक में अंतर है स्पष्ट करें।
6. मिलान करो–

(क)	राज्य सभा में मनोनीत सदस्य	(1)	राज्यसभा
(ख)	निम्न सदन	(2)	लोकसभा
(ग)	ऊपरी सदन	(3)	2
(घ)	लोकसभा में मनोनीत सदस्य	(4)	12

https://www.evidyarthi.in

7. दलबदल में क्या अभिप्राय है?

8. राज्यसभा का सदस्य बनने के लिए दो योग्यताएं कौन–सी है?

9. राज्यसभा की दो विशेष शक्तियों का वर्णन कीजिए?

10. किन परिस्थितियों में संसद का संयुक्त अधिवेशन बुलाया जाता है?

चार अंकीय प्रश्न–

1. संसद की आवश्यकता महत्व स्पष्ट कीजिए?

2. लोकसभा की शक्तियों व कार्यों का वर्णन कीजिए?

3. लोकसभा का सदस्य बनने के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिए?

4. राज्यसभा की विशेष शक्तियों का उल्लेख कीजिए?

5. भारत में कानून निर्माण प्रक्रिया के कोई चार चरण बताइए?

पांच अंकीय प्रश्न–

1. भारत के मानचित्र का अध्ययन करें तथा द्वि सदनात्मक विधायिका वाले पांच राज्यों का नाम लिखें। (पांच अंकों के लिए पांच स्थान दिखाये जा सकते है।)

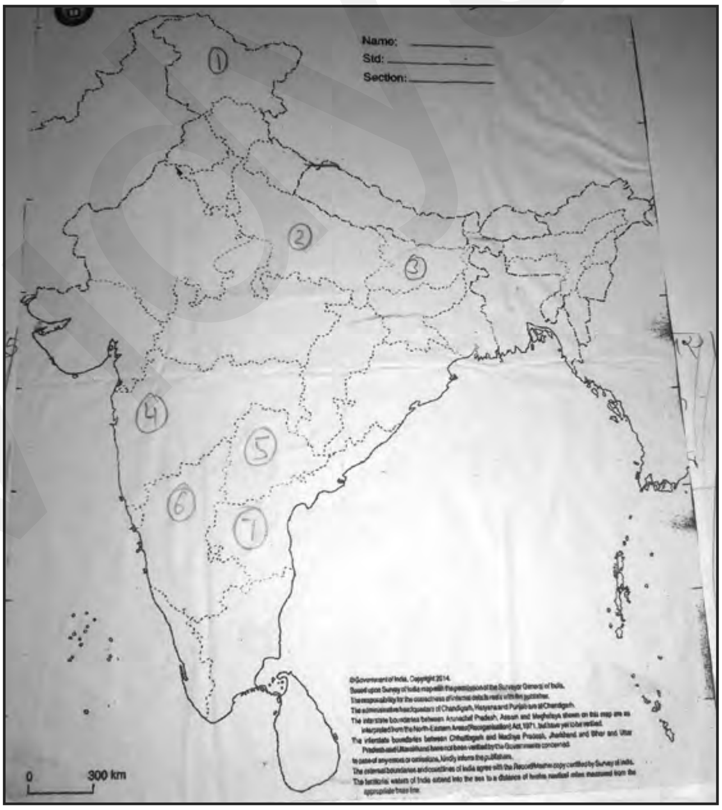

https://www.evidyarthi.in

2.

उपरोक्त कार्टून के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) सदन से वॉक आऊट करना क्या एक उचित तरीका है? स्पष्ट करें।

(ii) अध्यक्ष सदस्यों को सदन से किस आधार पर आऊट कर सकते है? (कोई दो कारण)

(iii) सदस्यगण वॉक आऊट जैसा व्यवहार क्यों करते हैं? अपना विचार प्रस्तुत करें।

छः अंकीय प्रश्न–

1. लोकसभा कार्यपालिका को राज्यसभा की तुलना में क्यों कारगर ढंग से नियंत्रण में रख सकती है।
2. लोकसभा कार्यपालिका पर कारगर ढंग से नियंत्रण रखने की नहीं बल्कि जन भावनाओं और जनता की अपेक्षाओं की अभिव्यक्ति का मंच है। क्या आप इससे सहमत है? कारण दें।
3. संसद के प्रमुख कार्यों का उल्लेख करें?

https://www.evidyarthi.in

उत्तरमाला

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. राज्यसभा स्थाई सदन है। सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है।
2. 30 वर्ष।
3. उप–राष्ट्रपति।
4. लोकसभा अध्यक्ष को।
5. लोकसभा।
6. (1) लोक लेखा समिति।
   (2) प्राकलन समिति।
7. लोकसभा के।
8. दोनो में से किसी भी सदन में।
9. दल–बदल कानून से।
10. लोकसभा अध्यक्ष।
11. राष्ट्रपति।
12. प्रथम
13. तेलंगाना

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. (1) समाज के सभी वर्गों व क्षेत्रों की समुचित प्रतिनिधित्व मिल जाता है।
   (2) दूसरा सदन प्रथम सदन के कार्यभार कम करता है।
2. (1) जम्मू कश्मीर (2) उत्तरप्रदेश (3) बिहार (4) कर्नाटक
3. राज्यसभा के कुल सदस्य 250 है जिसमें 238 राज्यों द्वारा निर्वाचित क्षेत्र और 12 को राष्ट्रपति मनोनीत करता है।
4. (1) धन विधेयक पेश करना
   (2) मंत्रिपरिषद पर नियंत्रण।
5. संविधान में संशोधन के लिए या सामान्य विधयकों को गैर वित्त विधेयक कहते है जबकि धन संबंधी विधेयकों को वित्त विधेयक कहते है जैसे कर लगाने के प्रस्ताव का बजट।

https://www.evidyarthi.in

6. मिलान करो–

(क) (4)

(ख) (2)

(ग) (1)

(घ) (3)

7. जब कोई सदस्य स्वेच्छा से दल की सदस्यता से त्यागपत्र दें और दल की सदस्यता ग्रहण कर लें उसे दलबदल कहते है।

8. (1) वह भारत का नागरिक हो।?

(2) वह 30 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

9. (1) राज्य सभा, राज्य के अंतर्गत आने वाली विषयों पर राष्ट्रीय हित हेतु संसद को कानून बनाने का अधिकार दे सकती है।

(2) राज्यसभा किसी भी नई अखिल भारतीय सेवा का राष्ट्र के हित में गठन कर सकती है।

10. जब दोनों में मतभेद हो।

चार अंकीय प्रशनों के उत्तर–

1. (i) विधि निर्माण।

(ii) बजट पारित करना।

(iii) सरकार पर नियंत्रण।

(iv) संविधान में संशोधन।

2. उत्तर के लिये पाठ्य पुस्तक का पेज नं. 110 देखे।

3. (i) भारत का नागरिक।

(ii) आयु 25 वर्ष।

(iii) पागल व दिवालिया न हो।

(iv) किसी लाभप्रद सरकारी पद पर न हो।

4. उत्तर के लिये पाठ्य पुस्तक का पेज नं. 110 देखें।

5. प्रथम वाचन

द्वितीय वाचन

तृतीय वाचन

राष्ट्रपति की स्वीकृति (व्याख्या सहित)।

https://www.evidyarthi.in

पाँच अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. I जम्मू और कश्मीर
   II उत्तर प्रदेश
   III बिहार
   IV महाराष्ट्र
   V आंध्रप्रदेश
   VI कर्नाटक
   VII तेलंगाना (कोई पांच)
2. (i) नहीं, क्योंकि सदन एक ऐसा मंच है। जहां पर वाद–विवाद चर्चा, बहस व सहमति के आधार पर किसी समस्या का समाधान खोजा जाता है।
   (ii) अनुशासनहीनता पर ।
   (iii) विद्यार्थी स्वयं उत्तर लिखें।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (i) प्रश्न, पूरक, प्रश्न , काम रोको प्रस्ताव आदि से
   (ii) अविश्वास प्रस्ताव
   (iii) मंत्रीपरिषद लोकसभा के प्रति उत्तरदायी
   (iv) जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि
   (v) लोकप्रिय सदन
   (vi) सदस्य संख्या अधिक
2. (i) जनता के चुने प्रतिनिधि होने के कारण
   (ii) जनहित में कानून बनाना।
   (iii) जनआकांक्षाओं एवं भावनाओं से परिचित होना।
   (iv) चुनाव के माध्यम से जनता के प्रति जवाबदेहिता। (व्याख्या सहित)
3. कानून बनाना
   कार्यपालिका पर नियंत्रण
   बहस व चर्चा
   वित्तीय नियंत्रण व अविश्वास प्रस्ताव आदि।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in